eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 10, October 2025

ऑनलाइन शिक्षा : विकास एवं उपयोगिता

प्रीती मेहरोत्रा[1]
[1]अस्थाई प्रवक्ता बी0एड0, गोकुलदास हिन्दू गर्ल्स कॉलेज मुरादाबाद (उ0प्र0)

Received: 25 Oct 2025 Accepted & Reviewed: 28 Oct 2025, Published: 31 Oct 2025

Abstract

ऑनलाइन शिक्षा आधुनिक तकनीकी विकास का एक प्रभावी परिणाम है, जिसने शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को नए आयाम प्रदान किए हैं। डिजिटल उपकरणों, इंटरनेट कनेक्टिविटी और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म के विस्तार ने शिक्षा को स्थान और समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया है। कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का उपयोग व्यापक रूप से बढ़ा, जिससे इसकी प्रासंगिकता और विश्वसनीयता सिद्ध हुई। ऑनलाइन माध्यम में वीडियो लेक्चर, वर्चुअल क्लासरूम, ई–कंटेंट, MOOCs, LMS तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण साधनों ने शिक्षार्थियों को लचीली, सुलभ और किफायती शिक्षा प्रदान की है। हालांकि डिजिटल विभाजन, तकनीकी कौशल की कमी, नेटवर्क सीमाएँ और शिक्षक–विद्यार्थी संवाद की कमी जैसी चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। इसके बावजूद ऑनलाइन शिक्षा भविष्य में शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग बनकर उभर रही है, जो गुणवत्ता, नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने में सक्षम है।

मुख्य शब्द– ऑनलाइन शिक्षा, ई–लर्निंग, डिजिटल शिक्षण, वर्चुअल क्लासरूम, तकनीकी विकास, डिजिटल विभाजन, लचीला शिक्षण, शिक्षा में नवाचार

Introduction

ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा का महत्वपूर्ण एवं आधुनिक रूप है। ऑनलाइन शिक्षा को शिक्षा में नवाचार कहना भी गलत नहीं होगा इंटरनेट के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा जिसमें छात्र कहीं से भी कभी भी सुविधानुसार शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं, ऑनलाइन शिक्षा कहलाती है। ऑनलाइन शिक्षा जिसे ई–लर्निंग के रूप में भी जाना जाता है साधारण शब्दों में ऑनलाइन शिक्षा वह शिक्षा है जिसमें मोबाइल कंप्यूटर लैपटॉप आदि तकनीकी साधनों के माध्यम से घर बैठे शिक्षा प्राप्त की जा सकती है यह एक लचीली एवं तकनीकी शिक्षा है

ऑनलाइन शिक्षा का इतिहास – 21वीं सदी में शिक्षा जगत में एक व्यापक और आधारभूत परिवर्तन हुआ। पहले पढ़ाई केवल कक्षा–कक्ष तक सीमित थी, वैश्विक जगत में एक परिवर्तनकारी शक्ति ऑनलाइन शिक्षा आधुनिक शिक्षा जगत में गतिशील और नवाचार के रूप मे प्रदीप्त हुई, शिक्षा अब केवल स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय तक ही सीमित नहीं रही वरन् प्राथमिक विद्यालयों से ही ऑनलाइन शिक्षा को धीरे–धीरे पाठ्यक्रम में शामिल किया जाने लगा कुछ समय पूर्व 2019 में कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा को अपनाने में तीव्र गति से वृद्धि हुई।

यह शिक्षक और छात्र दोनों के लिए वरदान साबित हुई एवं अपनी मूलक्षमताओं से कहीं आगे निकल गई।

ऑनलाइन शिक्षा की इतिहास

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 10, October 2025

तालिका– नीचे दी गई तालिका ऑनलाइन शिक्षा के इतिहास का सारांश प्रस्तुत करती है तथा पिछले दशकों के विकास पर प्रकाश डालती है।

वर्ष	घटनाक्रम	विकास एवं प्रभाव
1960 के दशक 1970 के दशक	प्रारंभिक दूरस्थ शिक्षा	मेल के माध्यम से पत्राचार पाठ्यक्रम आधारभूत दूरस्थ शिक्षा पद्धति
1980 के दशक	कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण (सीबीटी)	शैक्षिक सॉफ्टवेयर के लिए व्यक्तिगत कंप्यूटर का उपयोग इंटरैक्टिव शिक्षा का शुभारंभ
1990 के दशक	ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म का विस्तार	शिक्षा में इंटरनेट का परिचय प्रारंभिक एलएमएस का विकास प्रारंभिक ऑनलाइन पाठ्यक्रम का प्रस्तुतीकरण
1990 के दशक के अंत में	ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार	ऑनलाइन पाठ्यक्रम के प्रस्तुतीकरण में वृद्धि अधिक परिष्कृत एलएमएस की स्थापना ऑनलाइन शिक्षा की सर्वव्यापी पहुंच
2000–2005	ऑनलाइन डिग्री और ई–लर्निंग	ऑनलाइन डिग्री और प्रमाणपत्रों का उदय कॉर्पोरेट ई–लर्निंग का प्रचलन
2006–2010	Moocs का उदय	बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (Moocs) की शुरुआत से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की सुलभता
2011–2015	ऑनलाइन शिक्षा को विशेष मुख्यधारा में अपनाना	ऑनलाइन शिक्षा में वैश्विक भागीदारी में वृद्धि अधिक से अधिक विश्वविद्यालयो और कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम प्रसारित करना
2016 – 2019	ई–लर्निंग और सूचना तकनीकी में प्रगति	ए आई और मशीन लर्निंग का एकीकरण माइक्रोलर्निंग और नैनोडिग्री की शुरुआत
2020– 2022	कॉविड–19 महामारी और ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार	वैश्विक लॉकडाउन के तहत ऑनलाइन को अपनाने मे तीव्रगति से वृद्धि एवं तकनीकी प्रगति
2023 के बाद	भविष्य के अवसर और नवाचार	एआई, बी आर और व्यक्तिगत शिक्षण अनुभवों में प्रगति के साथ ऑनलाइन शिक्षा में निरंतर वृद्धि

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 10, October 2025

ऑनलाइन शिक्षा आरंभ से लेकर आज तक का विकास और विस्तार शिक्षा प्रदान करने और अनुभव करने के तरीके में महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है।

कॉविड–19 में ऑनलाइन शिक्षा

कोविड–19 के दौरान 200 से अधिक देशों में लॉकडाउन की स्थिति उत्पन्न हो गई, सभी स्कूल, कॉलेज शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया, जिसका सबसे अधिक प्रभाव छात्रों पर पड़ा तब ऑनलाइन शिक्षा छात्र–छात्राओं को घर पर ही उचित शिक्षा प्रदान करने में लाभकारी सिद्ध हुई, कोरोना कल में ऑनलाइन शिक्षा एक विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई जिससे भविष्य में भी बच्चों को लाभ मिलता रहेगा शिक्षा जगत के अनुभवी तथा योग्य विषय विशेषज्ञों की ओर से दिया गया ज्ञान बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ जिसके परिणामस्वरुप शिक्षा इंटरनेट के माध्यम से घर–घर पहुंची तथा यह सुरक्षा की दृष्टि से भी उपयोगी सिद्ध हुई। ग्रामीण तथा गरीब छात्र–छात्राओं के लिए यह जरूर परेशानी देने वाली रही क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क ने शिक्षण कार्य को बाधित किया तथा गरीब बच्चों का जीवन–स्तर निम्न होने तथा लॉकडाउन होने के कारण मोबाइल खरीदने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

कोविड–19 की भयानक स्थिति के कारण भारत सरकार ने भी छात्रों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सभी शैक्षिक संस्थानों को ऑनलाइन शिक्षा मोड पर जाने के निर्देश दिए। यह एक अस्थाई व्यवस्था के रूप में शुरू की गई लेकिन वर्तमान समय में ऑनलाइन शिक्षा की पहुंच तथा प्रभावशीलता चरम सीमा पर दृष्टिगत होती है कोविड–19 महामारी ने मानव इतिहास में शिक्षा ग्रहण करने में सबसे बड़ा व्यवधान उत्पन्न किया जिससे 200 से भी अधिक देश तथा 1.6 बिलियन शिक्षार्थी प्रभावित हुए, समय की मांग तथा शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने के डर से ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प सामने आया कोविड–19 ने हमें डिजिटल शिक्षा प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त किया जिसमें सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने की नई गतिविधि के अवसर प्रदान किए गए जो इंटरनेट के माध्यम से चलती है जिसमें छात्र एवं शिक्षक आमने–सामने नहीं मिलते हैं बल्कि व्हाट्सएप, जूम मीटिंग, गूगल मीट एडलिंक एवं अन्य कई षैक्षिक प्लेटफार्मों के माध्यम से शिक्षण कार्य व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि छात्रों ने बहुत कम समय में ऑनलाइन सीखने की आदत डाल ली। कोविड–19 के प्रकोप के दौरान सभी देशों ने ऑनलाइन शिक्षा पद्धति को अपनाने का निर्णय लिया, जो कोविड–19 की महामारी के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक था। शिक्षकों ने विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाठ्यक्रम सामग्री वितरित की जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर और सोशल मीडिया (एगुइलेरा–हर्मिडा, 2020) शामिल है। गूगल क्लासरूम, ब्लैकबोर्ड जैसे ऑनलाइन डिजिटल संसाधनों के जरिए छात्रों को नियमित अध्ययन तथा नोट्स बनाने में सुविधा प्रदान की गई छात्रों ने ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से असाइनमेंट जमा किए जिससे शिक्षकों द्वारा छात्रों की प्रगति मूल्यांकन की रिपोर्ट तैयार की जा सकी।

प्रभावशाली दूरस्थ शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी की उपलब्धता एक आवश्यक शर्त है, लॉकडाउन के तहत शिक्षण संस्थान बंद होने पर ऐडटेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिससे बड़े पैमाने पर शिक्षण कार्य में सरलता तथा निरंतरता बनी रही। कोविड–19 से पहले भी ई–लर्निंग में लगातार वृद्धि हो रही थी परंतु महामारी के दौरान 2019 में एडटेक एक सशक्त माध्यम बन गया चाहे वह भाषा एप हो या वर्चुअल ट्यूशन, वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग टूल या ऑनलाइन लर्निंग सॉफ्टवेयर कोविड–19 के बाद से इसके उपयोग में लगातार वृद्धि जारी है। ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा का एक नया मॉडल बनाकर उभरेगा जिसके महत्वपूर्ण लाभ होंगे। (टेनसेट क्लाउड के उपाध्यक्ष और टेनसेट एजुकेशन के उपाध्यक्ष वान्ग ताउ) कहते हैं **"मेरा मानना है कि शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के एकीकरण में और तेजी आएगी तथा ऑनलाइन शिक्षा अंततः स्कूली शिक्षा**

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 10, October 2025

का अभिन्न अंग बन जाएगी" कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि पारंपरिक ऑफलाइन शिक्षा तथा ऑनलाइन शिक्षा साथ चल सकती हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने में समर्थ होगी तथा छात्रों के लिए अधिक उपयोगी साबित होगी।

ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य– वैश्विक ऑनलाइन शिक्षा बाजार अगले 5 वर्षों में 9.23% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने का अनुमान है जिससे 2025 तक बाजार की हिस्सेदारी कुल एक अरब डालर तक पहुंच जाएगी, जो 2019 में 187.87 अरब डालर थी, यह एक आश्चर्यजनक राशि है जो संभावनाओं से भरपूर है। मौजूदा बाजार के खिलाड़ियों के साथ–साथ नए प्रवेशको के लिए भी यह जरूरी है कि वह इस अवसर का लाभ उठाए और शिक्षा के क्षेत्र में एक आधुनिक युग की शुरुआत करें। संक्षेप में ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान सदी की सबसे जीवन–परिवर्तनकारी नवाचारों में से एक है शिक्षा प्राचीन काल से वर्तमान समय तक की सबसे बड़ी संपत्ति है और ऑनलाइन शिक्षा इस संपूर्ण आबादी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऑनलाइन शिक्षा की अगली लहर अमेरिका या यूरोप में नहीं बल्कि भारत, अफ्रीका, चीन जैसे नए उभरते बाजारों में आएगी। ई–लर्निंग पारंपरिक क्षेत्र से आगे भी अपनी सर्वव्यापी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। ऑनलाइन शिक्षा का इतिहास और विकास एक सतत एवं आधारभूत प्रक्रिया है जिसमें तकनीकी और शिक्षा के समन्वय से शिक्षा जगत में वैश्विक पटल पर नवाचारों के साथ लगातार सुधार हो रहा है, ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा को सुलभ सुविधाजनक तथा लचीला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ऑनलाइन शिक्षा ने शैक्षणिक गतिविधियों और ज्ञान प्रसार को नवीन रूप में परिभाषित किया है। यह नवाचार तथा व्यापक समावेशित परिदृश्य को सकारात्मक आकार देने एवं भविष्य की संभावनाओं की कल्पना को पूर्ण करने तथा सामाजिक परिवर्तनों के साथ जुड़े शैक्षिक विकास का आशाजनक मार्ग प्रशस्त करती है।

निष्कर्ष : – ऑनलाइन शिक्षा एक तकनीकी शिक्षा है जिसमें छात्र–छात्राऐं सुविधानुसार शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इसका उपयोग देश और दुनिया के किसी भी कोने से ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने के लिए किया जाता है शिक्षा लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है अच्छी शिक्षा प्राप्त करना देश के हर नागरिक का अधिकार है, शिक्षित व्यक्ति अच्छे शिक्षा प्राप्त करके अपने करियर का निर्माण करता है। लॉकडाउन के वक्त में जहां शिक्षा केंद्र बंद थे वहां ऑनलाइन शिक्षा ने अपनी जगह बना ली आज दुनिया के हर कोने में बच्चे ऑनलाइन शिक्षा का उपयोग करके सरलता पूर्वक शिक्षा प्राप्त कर रहे है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र विश्व स्तर पर अन्य छात्रों तथा शिक्षकों के साथ जुड़ सकते हैं जिससे उन्हें विभिन्न देशों की संस्कृति और शैक्षिक पद्धति के बारे में भी जानकारी प्राप्त होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा 2023 के बाद विकास के पथ पर है तथा शिक्षा को नवीन आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

ऑनलाइन षिक्षा वर्तमान और भविष्य की एक आवष्यक आवष्यकता है। यदि ऑनलाइन षिक्षा से हम विचारों, विषयवस्तु को अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचा रहे हैं तो इसका अर्थ है कि हम अधिक संख्या में लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं। जब वैज्ञानिकता व आधारभूत तथ्यों से मानव लाभान्वित होगा तो समाज भी सुदृढ़ एवं सभ्य होगा।

संदर्भ ग्रन्थ सूची :

- ग्रेग केयर्सली– ऑनलाइन षिक्षाः साइबरस्पेस में सीखना और सिखाना
- जेम्स लैंग– स्मॉल टीचिंग
- ऑनलाइन षिक्षा का इतिहास एवं विकास (गहन विष्लेषण 2025)

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 10, October 2025

https://digitaldefynd.com

- स्रोत–क्लास सेंट्रल इंक
- पार्कर पामर– "द करेज टू टीच"
- कुमार विक्रमादित्य– ऑनलाइन षिक्षा प्रणाली
- www.ajpor.org
- www.researchgate.net
- www.drishtias.com